DEPARTMENT OF SANSKRIT
UNIVERSITY OF DELHI
DELHI-110007

011-27666657
Website: http://sanskrit.du.ac.in
Email: sanskrit.du.ac.in@gmail.com

Skt/2023/ **Date: 9.05.2023**

NOTICE
सूचना

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (संस्कृत ,एवं अन्य विभाग के विद्यार्थी जो IDC में संस्कृत विषय का चयन किया है) के उत्तर एवं दक्षिण परिसर के विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि जो विद्यार्थी चतुर्थ सेमेस्टर की आन्तरिक परीक्षा में किसी कारणवश सम्मिलित नहीं हो सके हैं, वे उस प्रश्नपत्र से सम्बन्धित दिए गए विषयों मेें से किसी **एक** विषय पर लगभग 10 पृष्ठों का हस्तलिखित असाइनमेण्ट (Assignment) दिनांक 30 मई 2023 तक विभागीय कार्यालय में जमा करें। असाइनमेण्ट(Assignment) के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन किया जायेगा ।

Paper code & Name	Topics/Questions No of Questions
Paper code- 121302401 **Yajurveda, Atharvaveda & Pratishakhya**	**1. केनसूक्त के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिये।** **2. दर्शपौर्णमास यज्ञ प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।** **3. सीतासूक्त के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।**
Paper code-121302402 **Vedic Exegesis, History and Thought**	**1.सायण के वेदभाष्य की समीक्षा कीजिए ।** **2. मैक्समूलर के वेदों के प्रति योगदान की समीक्षा कीजिए ।** **3. वेदांगों का विस्तृत परिचय तथा उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।**

121302403 **Brahmsutra**	1. "अध्यासभाष्य ब्रह्मजिज्ञासा की पूर्वपीठिका है" इस कथन की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए। 2. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य में प्रतिपादित कार्य- कारण सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। 3. श्रीभाष्य के अनुसार ब्रह्मजिज्ञासा के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
121302404 **Survey of Indian Philosophy**	1. सर्वदर्शनसंग्रह में वर्णित जैनदर्शन के दो तत्व , पाँच तत्त्व एवं सात तत्त्व के मध्य में स्थापित सामंजस्य की विवेचना कीजिए। 2. सर्वदर्शनसंग्रह के अनुसार क्षणिकवाद के पूर्वपक्ष तथा सिद्धान्तपक्ष पर प्रकाश डालिए। 3. भारतीयदर्शन में वाचस्पतिमिश्र के योगदान पर प्रकाश डालिए।
Paper code-121302405 **Kavyprakash**	1.अनुप्रास अलंकार और उसके प्रभेद सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2.गुण और अलंकार का प्रभेद निरूपित कीजिए। 3.रसदोषों के परिहार की विधि समझाइये।
Paper code-121302406 **Dasrupaka and survey of Sanskrit poetics**	1. दशरूपक के अनुसार नाट्य का लक्षण देते हुए इसके महत्वपूर्ण घटक तत्त्वों का विवेचन कीजिए। 2. दशरूपककार के अनुसार नायक के गुणों की विवेचना करते हुए उसके चार प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। 3. संस्कृत काव्यशास्त्र में अलंकार के उद्भव एवं विकास पर एक निबन्ध लिखिए।
Paper code-121302411 **Yajnavalkyasmriti**	1.याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार पुत्रों के प्रकार तथा उनके संपत्ति मे अधिकार का विस्तार से निरूपण कीजिए। 2. याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार स्त्रीधन की विस्तार से समीक्षा कीजिए। 3. मितक्षरा के अनुसार नियोग का विस्तार से प्रतिपादन कीजिए।

Paper code-121302412 **Apastambdharmsutra & History of Dharmshastra**	1. आपस्तम्बधर्मसूत्र में उल्लिखित आश्रमव्यवस्था का निरूपण कीजिए । 2. धर्मशास्त्र के अनुसार दण्डव्यवस्था का विस्तार से प्रतिपादन कीजिए। 3. धर्मशास्त्रविषयक आधुनिक अध्ययन पर एक निबन्ध लिखिए।
Paper code-121302413 **Inscriptions of Post Gupta period**	1. राजा हर्षवर्धन के व्यक्तित्व और शासन-व्यवस्था का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए। 2. ईशानवर्मा के हडाहा अभिलेख में प्रयुक्त काव्य सौन्दर्य का विवरणात्मक उल्लेख कीजिए । 3. मैत्रकवंशीय राजाओं का परिचय देते हुए धरसेन के मालिया ताम्रपट्ट अभिलेख की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए ।
Paper code-121302414 **Indian Paleography**	1.इतिहास निर्माण में अभिलेखों के अध्ययन की महत्ता पर प्रकाश डालिए । 2. अशोक के काल से गुप्तोत्तर काल तक ब्राह्मी लिपि में आए परिवर्तनों की समीक्षा कीजिए। 3. प्राचीन भारत में लेखन के रूप में प्रयुक्त होने वाली सामग्री पर प्रकाश डालिए।
Paper code-121302419 **Bhartiya kundli Vijjana**	1.इष्टकाल ज्ञात करने की विधि को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । 2. स्वकल्पित उदाहरण से ससन्धिद्वादश भाव को स्पष्ट कीजिए । 3. नैसर्गिक व तात्कालिक मैत्री को स्पष्ट करते हुए पंचधामैत्री चक्र का निर्माण कीजिए ।
Paper code-121302420 **Survey of Indian Astrology**	1. पंचांग से आप क्या समखते हैं? विस्तृत विवेचना कीजिए। 2. आचार्य वराहमिहिर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर वितार से प्रकाश डालिए। 3. भारतीय ज्योतिषशास्त्र के पञ्चस्कंधात्मक ज्योतिष की समीक्षा कीजिए।

Paper code-121301401 **Sankhya & Mimamsa**	1. सांख्यदर्शन के अनुसार प्रमाणत्रय की विवेचना कीजिए। 2.सांख्यदर्शन के अनुसार पुरुष के स्वरूप का निरूपण कीजिए। 3. मीमांसा के अनुसार भावना एवं विधि को स्पष्ट कीजिए।
Paper code-121301402 **The Philosophy of Aupnishdik Tradition**	1. श्वेताश्वतरोपनिषद् के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 2. ईशावास्योपनिषद् में प्रतिपादित आत्मा के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 3. ईशावास्योपनिषद् में निरूपित सम्भूति और असम्भूति की विस्तार से विवेचना कीजिए।
121303402 **OEC- (Other than A Group)** **Vedic Exegesis, History and Thought**	1.सायण के वेदभाष्य की समीक्षा कीजिए। 2. मैक्समूलर के वेदों के प्रति योगदान की समीक्षा कीजिए। 3. वेदांगों का विस्तृत परिचय तथा उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
121303403 **OEC (Other than B Group)** **Survey of Indian Philosophy**	1. सर्वदर्शनसंग्रह में वर्णित जैनदर्शन के दो तत्व , पाँच तत्त्व एवं सात तत्त्व के मध्य में स्थापित सामंजस्य की विवेचना कीजिए। 2. सर्वदर्शनसंग्रह के अनुसार क्षणिकवाद के पूर्वपक्ष तथा सिद्धान्तपक्ष पर प्रकाश डालिए। 3. भारतीयदर्शन में वाचस्पतिमिश्र के योगदान पर प्रकाश डालिए।
Paper code 121303407 **Indian paleography** **OEC (Other than F Group)**	1.इतिहास निर्माण में अभिलेखों के अध्ययन की महत्ता पर प्रकाश डालिए। 2. अशोक के काल से गुप्तोत्तर काल तक ब्राह्मी लिपि में आए परिवर्तनों की समीक्षा कीजिए। 3. प्राचीन भारत में लेखन के रूप में प्रयुक्त होने वाली सामग्री पर प्रकाश डालिए।

Paper code 121303409 **Survey of Puranic literature** **OEC (Other than H Group)**	**1.** पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए । **2.** पुराणों के सांस्कृतिक महत्त्व पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। **3.** रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराणों का विवेचन कीजिए ।
Paper code 121303410 **Survey of Indian Astrology** **OEC(Other than I Group)**	**1.** पंचांग से आप क्या समखते हैं? विस्तृत विवेचना कीजिए। **2.** आचार्य वराहमिहिर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर वितार से प्रकाश डालिए। **3.** भारतीय ज्योतिषशास्त्र के पञ्चस्कंधात्मक ज्योतिष की समीक्षा कीजिए।
121303401 **Linguistic speculations in Sanskrit** **IDC (Other Students)** **Hindi Medium & English Medium**	**1.शक्तिग्रह के उपायों की विस्तार से विवेचना कीजिए ।** Discuss in detail the remedies of Shaktigraha. **2.स्फोटवाद का विस्तार से प्रतिपादन कीजिए ।** elaborate Sphotvad . **3. न्यायसिद्धांतमुक्तावली के अनुसार लक्षणा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।** Explain the nature of Lakshana according to Nyaya Siddhanta Muktavali.

डॉ. मोहिनी आर्या
संयोजिका
आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा

प्रो० ओमनाथ बिमली
विभागाध्यक्ष
संस्कृत विभाग